दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 12 अप्रैल 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 192

महत्वपूर्ण एवं खास

अमेरिका में पहली बार एक दिन में 2000 से ज्यादा लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) ने विकराल रूप ले लिया है और इसके कारण अब तक 18 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि पांच लाख से अधिक संक्रमित हुए हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना से पहली बार दो हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 18 हजार को पार कर 18693 पहुंच गयी है जबकि 500399 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। अमेरिका में कोरोना से शुक्रवार को 2000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इससे पहले बुधवार को सर्वाधिक 1936 लोगों की मौत हुई थी। कोरोना के कारण इटली के बाद अमेरिका में सर्वाधिक मौतें हुई हैं। इटली में इस महामारी के कारण अब तक 18849 लोगों की मौत हो चुकी है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 60 प्रतिशत से अधिक मौतें न्यूयॉर्क (777), न्यूजर्सी (232) और मिशीगन (205) प्रांत में हुई हैं।

साउथ कोरिया में कोरोना के 10,480 मामले, 211 की मौत

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटों के दौरान घातक कोरोना वायरस 'कोविड-19' के 30 मामले दर्ज किये गये है जिसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,480 हो गई है और अबतक 211 मरीजों की मौत हो गयी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (केसीडीसी) ने शनिवार को बताया कि कोरोना के नये मामलों में से 09 ग्योंग्गी प्रांत में सात डाएगु शहर में, चार सोल में और तीन नॉर्थ ग्योंगसांग प्रांत में में हैं। 12 नये मामले दूसरे देशों से आये हैं। इसके अलावा 7,243 लोग उपचार के बाद स्वस्थ हो गये हैं। देश ने लगभग 486000 लोगों के कोरोना वायरस परीक्षण किए हैं, जिनमें से 14070 परीक्षणों का परिणाम आना अभी बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 11 मार्च को कोविड-19 के प्रकोप को महामारी घोषित किया था। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार अब तक दुनिया भर में लगभग 17 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 102,000 से अधिक की मौत हो चुकी है।

फ्रांस में कोरोना से 13 हजार से अधिक की मौत

पेरिस। फ्रांस में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है और इसके संक्रमण के कारण अब तक 13 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस की स्वास्थ्य एंजेसी के प्रमुख जेरोम सैलोमन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सैलोमन ने बताया कि फ्रांस में पिछले 24 घंटों के दौरान 987 लोगों की मौत हुई है जिससे मरने वालों का आंकड़ा 13197 पहुंच गया है। फ्रांस में कोरोना संक्रमित 31267 लोगों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। सात हजार से अधिक लोग गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में हैं। करीब 25 हजार से अधिक लोगों को पूरी तरह से ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है। कोरोना के मामूली लक्षणों वाले लोगों को घरों में ही रखा गया है।

तीस अप्रैल तक बढ़ाया जा सकता है लॉकडाउन

» प्रधानमंत्री की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिये जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से चर्चा की। प्रधानमंत्री इस दौरान मुख्य रूप से मुख्यमंत्रियों से उनकी राय ले रहें कि संक्रमण लीड संक्रमण को रोकने के लिये 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाउन को 14 अप्रैल से आगे बढ़ाया जाए या नहीं।

प्रधानमंत्री के साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक शनिवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि केंद्र सरकार कुछ छूट के साथ देशव्यापी लॉकडाउन को बढ़ा सकती है। पंजाब और ओडिशा ने पहले ही 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों से विभिन्न आयामों को लेकर विचार मांगे हैं जिसमें यह पूछा गया है कि क्या कुछ अन्य श्रेणियों के लोगों और सेवाओं को छूट दिये जाने की जरूरत है। वर्तमान लॉकडाउन में केवल आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है। लॉकडाउन लागू होने के बाद यह दूसरा अवसर है जब प्रधानमंत्री इस विषय पर मुख्यमंत्रियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संवाद कर रहे हैं। इससे पहले 2 अप्रैल को मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद के दौरान मोदी ने उनसे लॉकडाउन से 'क्रमवार' तरीके से बाहर आने बारे में सुझाव मांगा था। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के असर को देखते हुए देश में लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाकर 30 अप्रैल तक किया जा सकता है। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार देशव्यापी बंद को बढ़ाने के लिए आज हुई अहम बैठक में अधिकांश राज्यों ने पीएम मोदी से अनुरोध किया कि दो सप्ताह के लिए लॉकडाउन को बढ़ाया जाए, जिसके बाद केंद्र सरकार इस अनुरोध पर विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि भारत में कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए जारी कोशिशों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान मुख्य रूप से इस बात पर मुख्यमंत्रियों की राय ली कि संक्रमण रोकने के लिए 21 दिनों के देशव्यापी बंद को 14 अप्रैल से आगे बढ़ाया जाए या नहीं। समझा जाता है कि केंद्र सरकार ने इस महामारी को फैलने से रोकने के प्रयासों में शामिल सभी पक्षकारों और संबंधित एजेंसियों की भी राय ली है।

बैठक की प्रारंभिक तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी संवाद के दौरान उजला मास्क पहन कर मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा कर रहे थे। संवाद में शामिल मुख्यमंत्रियों में पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह, पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मनोहर लाल, तेलंगाना के के चंद्रशेखर राव, बिहार के नीतीश कुमार आदि हैं। समझा जाता है कि केंद्र सरकार ने इस महामारी को फैलने से रोकने के प्रयासों में शामिल सभी पक्षकारों और संबंधित एजेंसियों के विचार प्राप्त कर लिये हैं।

विश्व में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,02,753 हुई

वॉशिंगटन। कोरोनावायरस संक्रमण क चलते पूरे विश्व में मरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर एक लाख 2 हजार 753 हो गई है, जबकि महामारी से संक्रमित हुए व्यक्तियों का कुल आंकड़ा 16 लाख के पार पहुंच गया है। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने इस बात की जानकारी दी। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पूरे विश्व में शनिवार सुबह तक कुल 16 लाख 98 हजार 416 लोग महामारी से संक्रमित थे, जबकि अब तक उपचार के बाद पूर्ण रूप से ठीक हुए कुल तीन लाख 76 हजार 677 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

कोविड-19 संक्रमण के सबसे अधिक पांच लाख एक हजार 301 मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष स्थान पर है, जबकि दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः एक लखा 58 हजार 273, एक लाख 47 हजार 577 और एक लाख 25 हजार 931 मामलों के साथ स्पेन, इटली और फ्रांस हैं।

सबसे अधिक मौतों के मामले में कुल 18,849 मौतों के साथ इटली पहले, जबकि कुल 18,769 मौतों के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर है। वहीं, महामारी के चलते स्पेन और फ्रांस में क्रमशः कुल 16,081 और 13,197 मौतें हुई हैं।

हालांकि, पिछले साल दिसंबर में चीन से दुनियाभर में फैली इस महामारी (कोविड-19 संक्रमण) से यहां 3,343 मौतों सहित कुल 83,003 मामले सामने आए हैं।

हिमाचल प्रदेश में है एक दिन में एक करोड़ हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन गोलियां बनाने की क्षमता

» राज्य के पास 40 लाख गोलियों का स्टॉक

» जो कंपनी दवा बनाने में आगे आएगी उसे लाइसेंस जल्द दिया जाएगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। वायरस से लड़ने के लिए प्रदेश के पास मौजूदा समय में 40 लाख हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन की गोलियों का स्टॉक उपलब्ध है। इस महामारी से लड़ने के लिए हिमाचल प्रदेश में स्थापित कई दवा उद्योगों को प्रतिदिन एक करोड़ गोली बनाने की क्षमता है। यह देश - विदेश के लिए राहत भरी खबर है , लेकिन एक दिन में एक करोड़ गोलियां बनाने की क्षमता उसी सूरत में हासिल हो सकती है , जब इस दवा के निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल समय पर मिलता रहे। कोरोना वायरस के बाद कई देशों में अचानक इस दवा की मांग बढ़ गई है। प्रदेश के उद्योग मंत्री बिक्रम ठाकुर ने कहा कि हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन दवा की बढ़ती मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने तय किया है कि जो भी कंपनी इसके निर्माण को लेकर आगे आएगी , उसे तुरंत लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा। कर्फ्यू के कारण फार्मा उद्योगों को जो भी दिक्कत है , उसे तुरंत दूर किया जा रहा है। राज्य के डिप्टी ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के कई फार्मा उद्योगों के पास प्रतिदिन 02 लाख से लेकर एक करोड़ गोलियां बनाने की क्षमता है , बशर्ते उन्हें कच्चा माल मिलता रहे।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश में हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्विन दवा बनाने का लाइसेंस इस प्रदेश में अवस्थित 50 दवा निर्माता कम्पनियों को है।

नेपाल में जालिम मुखिया के तीन ठिकानों पर हुई छापेमारी

» 19 संदिग्धों को लिया गया कब्जे में, भारत नेपाल बॉर्डर पर बढ़ाई गई चौकसी

नई दिल्ली (आरएनएस)। जालिम मुखिया के द्वारा नेपाल बॉर्डर से बिहार के रास्ते भारत में क्रोना वायरस के मरीजों को भेज कर भारत को परेशान करने की एक साजिश आतंकियों के के द्वारा रची जा रही है, जिसका फुल खुलासा सीमा सशस्त्र बल एसएसबी) ने किया उसी वक्त से पूरे देश में हड़कंप मच गया। एसएसबी ने जो इनपुट दिया है भारत और नेपाल में हड़कंप मचा हुआ है भारत में बिहार सरकार से लेकर देश के गृह मंत्रालय तक और कोई चौकन्ना हो गया है लगातार मीटिंग हुए कई सारे दिशानिर्देश इंटरनेशनल बॉर्डर पर सभी जिलों के एसपी को दिया जा चुका है। हर वक्त उन्हें और उनकी टीम को कहां गया है। सूत्र की माने बॉर्डर पर सिक्योरिटी में लगे एसएसबी के साथ ही बिहार पुलिस की टीम भी मुस्तैद है इस दरमियान सूत्र क हवाले से जो खबर आई है उसके मुताबिक नेपाल की पुलिस ने अपने देश में बॉर्डर के पास ताबड़तोड़ कई जगह छापेमारी की है सूत्र के अनुसार जिन जगहों पर छापेमारी हुई है वह सभी ठिकाने भारत में करोना पॉजिटिव पेशेंट भेजकर महामारी फैलाने की साजिश रचने केआरोपी जालिम मुखिया के बताए जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो नेपाल पुलिस की टीम ने जाली मुखिया के परसा जिले में स्थित जगन्नाथपुर गांव के घर सहित उसके तीन ठिकानों पर छापेमारी की और इस दरमियान में 19 संदिग्धों को उन ठिकानों से जांच और पूछताछ के लिए अपने कब्जे में नेपाल पुलिस की टीम ने ले लिया है। कब्जे में लिए गए लोग कौन हैं? जालिम मुखिया के ठिकाने पर कब से और क्यों रह रहे हैं? इस बारे में नेपाल की पुलिस टीम हर एक प्वाइंट को खंगाल रही है। मिले इनपुट के वजहों से ही भारत-नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी और बिहार पुलिस की टीम ने चौकसी बढ़ा दी है। अपने उपर लगे आरोपों से पल्ला झाड़ रहा है जालिम मुखिया, इस पूरे प्रकरण के सामने आने के बाद अवैध हथियारों की तस्करी और जाली नोटों के सौदागर जालिम मुखिया ने अपने उपर लगे आरोपों गलत बताया है। 1 मिनट 48 सेकेंड का एक वीडियो जारी कर जालिम मुखिया ने भोजपुरी में अपनी बातों को रखा। वीडियों जारी कर वो कह रहा है कि मिथिला से हमारा संबंध है बेटी-रोटी का रिश्ता है।

देश में कुल संक्रमितों की संख्या 7447 हुई, अब तक 239 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में लॉकडाउन के बीच कोरोना वायरस का कहर बढ़ता ही जा रहा है। देश में पिछले 24 घंटे में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा सामने आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आकंड़ों के मुताबिक 24 घंटे में कोरना पॉजिटिव के 1035 नए मामले सामने आए और 40 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ देशभर में कोरोना संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 7447 हो गई है। जिसमें 6565 सक्रिय हैं, 642 स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 239 लोगों की मौत हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि अगर लॉकडाउन नहीं किया गया होता तो कोविड-19 के मामलों में 41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई होती और 15 अप्रैल तक देश में 8.2 लाख मामले सामने आए होते। संयुक्त सचिव ने बताया कि कोविड-19 के लिए भारत की प्रतिक्रिया सक्रिय रही है। हमने एक वर्गीकृत दृष्टिकोण का पालन किया है। उन्होंने बताया कि देश में कोविड-19 से निपटने के लिए 586 अस्पताल और एक लाख से अधिक आइसोलेशन बेड हैं। अग्रवाल ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए लॉकडाउन और रोकथाम के उपाय महत्वपूर्ण हैं। अगर हमने कोई उपाय नहीं किया होता तो इस समय हमारे सामने दो लाख मामले आ गए होते।

सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू खाने, थूकने पर रोक लगाएं

कोरोना वायरस की चपेट में इस समय पूरा देश आ गया है। इसके प्रसार को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर हर तरह के जरूरी उपाय कर रही है। इसी बीच कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों से सार्वजनिक स्थानों पर चबाने वाले तंबाकू के इस्तेमाल और थूकने पर रोक लगाने को कहा है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव को भेजे पत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गैर धूम्र रहित चबाने वाले तंबाकू, पान मसाला और सुपारी से शरीर में लार अधिक बनने लगती है और इससे थूकने की अत्याधिक इच्छा होती है। सार्वजिनक स्थानों पर थूकने से कोविड-19 के प्रसार में तेजी आ सकती है। कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते खतरे के मद्देनजर भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा परिषद (आईसीएमआर) ने जनता से चबाने वाले तंबाकू के उत्पादों के सेवन से दूर रहने और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकने की अपील की है।पत्र के मुताबिक, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के पास विभिन्न कानूनों के तहत कोविड-19 से निपटने के जरूरी अधिकार हैं।

दिल्ली में तेजी से बढ़े कोरोना के मामले, तीन अंको के करीब

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक महामारी बने कोरोना वायरस के मामले राजधानी दिल्ली में दिन-प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है।

शुक्रवार को पिछले 24 घंटों में 183 नए मामले दर्ज किए गए, जो दिल्ली के लिए एक दिन में मिलने वाले अब तक के सबसे अधिक मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली में अब तक कुल 941 कोरोना वायरस के मामले हैं, जिनमें से 13 लोगों की मौत हो गई है और 25 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ्य भी हुए हैं। वहीं, 903 संक्रमित मरीज अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं। कुल 903 मरीजों में से 584 मरीज निजामुद्दीन मरकज से जुड़े हुए हैं तो वहीं 269 वो मरीज हैं जिन्होंने या तो खुद विदेश यात्रा की है या उनके परिवार में कोई विदेश से लौटा है। 50 मरीजों की जांच अभी जारी है।

दिल्ली में कोरोना का संक्रमण फैलता जा रहा है। शुक्रवार को सात नए हॉटस्पॉट को सरकार ने सील करने का आदेश दे दिया है। अब दिल्ली में कुल 30 हॉटस्पॉट को सील कर दिया गया है।

मोदी सरकार ने 31.77 करोड़ लोगों के बैंक खातों में डाले 28256 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान केंद्र सरकार 31.77 करोड़ लोगों के खाते में कैश भेजकर मदद कर चुकी है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए जनधन खाता धारक महिलाओं, विधवा, दिव्यांग, बुजुर्ग, मजदूर और किसानों के खातों में कुल 28,256 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जा चुके हैं।

सरकार की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि 19.86 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाता धारक महिलाओं को 9930 करोड़ रुपए की मदद भेजी जा चुकी है। 2.82 करोड़ विधवा महिलाओं, दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के खातों में कुल 14.5 करोड़ रुपए जमा कराए गए हैं। पीएम किसान योजना के तहत पंजीकृत 8 करोड़ किसानों में से 6.93 करोड़ किसानों के खातों में अग्रिम किस्त के रूप में 13,855 करोड़ रुपए दिए गए हैं। निर्माण कार्य और दूसरे पंजीकृत 2.16 करोड़ मजदूरों को 3066 करोड़ रुपए की मदद दी गई है।

कोरोना लॉकडाउन में गरीबों की मदद के लिए 26 मार्च को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1.70 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान किया था। इसके तहत जरूरतमंद लोगों को अनाज और कैश ट्रांसफर की घोषणा की गई थी। निर्मला सीतारमण ने कहा कि था कि योजना के तहत किसानों, मनरेगा, गरीब विधवा, गरीब पेंशनधारी और दिव्यांगों, और जनधन अकाउंट धारी महिलाओं, उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाएं, स्वंय सेवा समूहों की महिलाओं और संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों, कंस्ट्रक्शन से जुड़े मजदूरों को मदद दी जाएगी। किसानों को 2 हजार रुपये की पहली किस्त देने का वादा किया गया था। मनरेगा मजदूरों के लिए दिहाड़ी 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये किया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि गरीब बुजुर्गों, गरीब विधवा और गरीब दिव्यांगों को दो किस्तों में अतिरिक्त एक हजार रुपये देने का ऐलान किया।

रेलवे ने लॉकडाउन में वितरित किया एक मिलियन से अधिक भोजन

» देश में 313 स्थानों पर गरीबों व जरुरतमंदों की मिटाई जा रही है भूख

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे के कर्मचारियों, आईआरसीटीसी, आरपीएफ, जोनल रेलवे जैसे कई रेलवे संगठनों के साथ अन्य लोगों ने देशभर में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के बाद गरीबों और जरूरतमंद लोगों को निस्वार्थ और स्वैच्छिक रूप से गर्म पका भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक 10.2 लाख से ज्यादा भोजन वितरित किया गया है।

रेल मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार भारतीय रेलवे के विभिन्न संगठनों के कर्मचारियों जैसे आईआरसीटीसी, आरपीएफ, जोनल रेलवे और अन्य संगठनों द्वारा कोविड-19 के कारण हुए लॉकडाउन के बाद से जरूरतमंद लोगों को निस्वार्थ और स्वैच्छिक रुप से गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने के रेलवे की समाज सेवा वाली प्रतिबद्धता को जीवित रखने का अथक प्रयास किया जा रहा है। रेलवे द्वारा 28 मार्च 2020 से आईआरसीटीसी बेस किचनों, आरपीएफ संसाधनों और एनजीओ के योगदान से बड़ी मात्रा में पका हुआ भोजन, पेपर प्लेट के साथ लंच के लिए और खाद्य पैकेट डिनर के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। अब तक लगभग 10.2 लाख भोजन वितरण के साथ यह आंकड़ा एक मिलियन पार कर गया। गरीबों, बच्चों, कुलियों, प्रवासी मजदूरों, फंसे हुए व्यक्तियों और जो लोग रेलवे स्टेशनों या उसके आसपास भोजन की तलाश में आते हैं उन्हें भोजन वितरित किया जा रहा है, और यहां तक कि रेलवे स्टेशनों से कुछ दूरी पर रहने वाले लोगों के लिए भी। जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन वितरित करते समय, सामाजिक दूरी और स्वच्छता का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार इस प्रकार मिल रहे सहयोग से अब तक लगभग 10.2 लाख पका हुआ भोजन वितरित किया जा चुका है। इनमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा पका हुआ भोजन आईआरसीटीसी द्वारा उपलब्ध कराया गया है, आरपीएफ द्वारा अपने संसाधनों के माध्यम से लगभग 2.3 लाख भोजन उपलब्ध कराया गया है जबकि रेलवे संगठनों के साथ काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों द्वारा लगभग 2 लाख भोजन प्रदान किया गया है। भोजन का वितरण आरपीएफ, जीआरपी, ज़ोन के वाणिज्यिक विभागों, राज्य सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से किया जा रहा है। आईआरसीटीसी के इन प्रयासों का विस्तार करने के लिए, संबंधित ज़ोन और डिवीजन के जीएम/डीआरएम आईआरसीटीसी के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।